एरण की कला

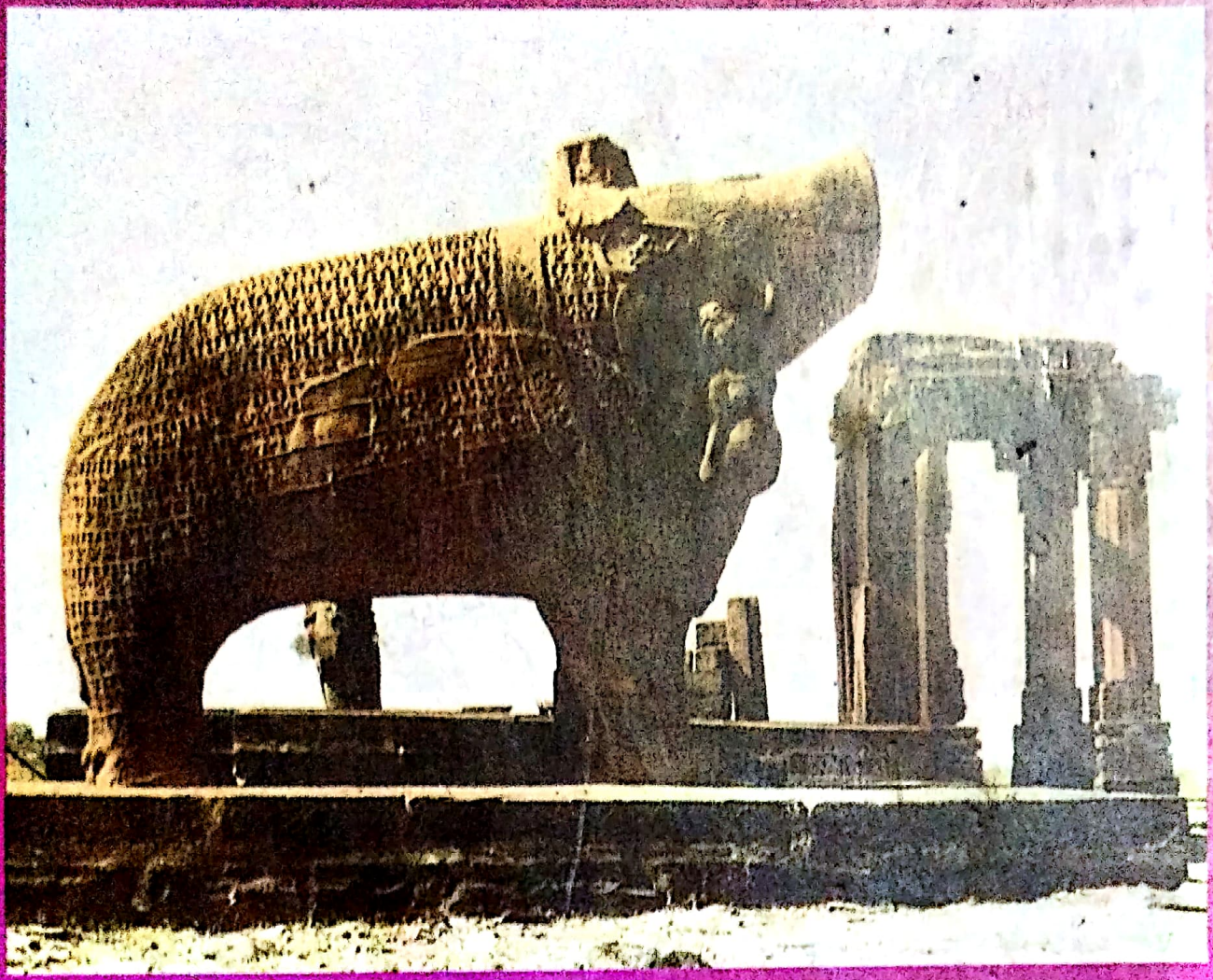

डॉ. नागेश दुबे

एरण की कला

डॉ. नागेश दुबे

१९९७

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुदान से प्रकाशित
(डॉ. हरीसिंह गौर वि.वि. सागर, की पी-एच.डी. उपाधि हेतु स्वीकृत शोध प्रबंध)

© डॉ. नागेश दुबे

प्रथम संस्मरण - १९९७

प्रकाशन - सुप्रिया पब्लिकेशन्स सागर (म.प्र.)
सी.पी.जी. कम्प्यूटर्स द्वारा लेजर टाइप सेंटिंग

मुद्रक :- बालाजी आफसेट, शाहदरा, दिल्ली.

मूल्य : १५०/-

Eran ki kala
by - Dr. Nagesh Dubey

सांकेतिक शब्दावली

अ.पु. - अग्नि पुराण
अथर्व. - अथर्ववेद
आ.ध.सू. - आपस्तम्भ धर्मसूत्र
आ.स.इ.रि. -ऑर्क्यालाजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया रिपोर्ट (कनिंघम)
आ.स.इ.ए.रि. - ऑर्क्यालाजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया एन्यूअल रिपोर्टः एःरिव्यू
इ.आ.रि. - इण्डियन ऑर्क्यालाजी, एःरिव्यू
ए.हि.आ. (ई.एच.आई.) - एलीमेन्ट्स ऑफ हिन्दू आइकोनोग्राफी
ऐ.ब्रा. - ऐतरेय ब्राह्मण
एपी. इ. - एपीग्राफिया इण्डिका
ऋ.वे. - ऋग्वेद
का.इ.इ. - कार्पस इंस्क्रिपशनम् इण्डिकेरम्
क्वा. आ.ए.इ. - क्वाइंस ऑफ ऐंशियेंट इण्डिया
ग.पु. - गरुड़ पुराण
ज.न्यू.सो.ई. - जर्नल ऑफ दि न्यूमिसमेटिक सोसायटी ऑफ इंण्डिया
ज.म.प्र.इ.प. - जर्नल ऑफ मध्यप्रदेश इतिहास परिषद
डी.एच.आई. - डेवलपमेंट ऑफ हिन्दू आइकोनोग्राफी
तै.सं. - तैत्तिरीय संहिता
तै.ब्रा. - तैत्तिरीय ब्राह्मण
प.पु.-पद्म पुराण
बौ.गृ. - बौधायन गृह्यसूत्र
बी.आई.एन.आई. - ब्राह्मनिकल आईकन्स इन नार्दर्न इण्डिया
बु.ए.इ.हि.एण्ड आ. - बुलेटन ऑफ ऐंशियेंट इण्डियन हिस्ट्री एण्ड ऑर्क्यालाजी
भा.पु. - भागवत पुराण
भग. - भगवद्गीता

म.पु. - मत्स्य पुराण
महा. - महाभारत
यजु. - यजुर्वेद
व.पु. - वराह पुराण
वा.रा. - वाल्मीकि रामायण
वि.पु. - विष्णु पुराण
वि.ध. - विष्णुधर्मोत्तर
वी.एस.एम.आर.एस. - वैष्णविज्म, शैविज्म एण्ड अदर माईनर रिलीजियस सिस्टम्स
वृ.सं. - वृहत्संहिता
वैखा. - वैखानसागम
श.ब्रा. - शतपथ ब्राह्मण
श्वे.उ. - श्वेताश्वर उपनिषद
शिल्प. - शिल्परत्न
श्री.भा. - श्रीमद्भागवत
के.आ.दि.क्वा.आ. ए.इ. - केटलाग ऑफ दि क्वाइन्स ऑफ ऐंशियेंट इण्डिया
के. आ. इण्डि.क्वा.इन ब्रि. म्यु. - केटलाग ऑफ दि इण्डियन क्वाइन्स इन दि ब्रिट्रिश म्यूजियम.

अनुक्रमणिका

अध्याय प्रथम - भौगोलिक स्थिति ३-९

भौगोलिक स्थिति, रचना तथा पहुँच मार्ग - ३-५, नामकरण सम्बन्धी साक्ष्य एवं नामकरण विषयक विवाद - ५-७, प्राचीन काल में एरण की महत्ता एवं प्राचीन काल में एरण क्षेत्र का विस्तार - ७-८, सन्दर्भ - ८-९

अध्याय द्वितीय - ऐतिहासिक पृष्ठभूमि १२-२७

प्राक्इतिहास - १२-१३, आद्यइतिहास-कायथा संस्कृति - १३ १४ ताम्रपाषाण संस्कृति - १४-१६, महाजनपद काल - १६-१७, मौर्य, शुंग,सातवाहन, शक, नाग, गुप्त व हूण काल का इतिहास -१७-२४, परवर्ती गुप्तयुगीन इतिहास - २४-२६, सन्दर्भ - २६-२७

अध्याय तृतीय - आद्यऐतिहासिक कला ३०-५८

प्रारंभिक परिचय - ३०, मृण्मूर्तिकला का परिचय एवं भारत में मृण्मूर्तियों की प्राचीनता - ३१-३५, एरण की मृण्मूर्ति कला- ३५-३७, मानवीय मृण्मूर्तियाँ - ३७-४०, पशु तथा पक्षियों की मृण्मूर्तियाँ ४० - ५२, मृद्भाण्ड चित्रणकला - ५३-५६, सन्दर्भ - ५६-५८

अध्याय चतुर्थ - लगभग छठी शताब्दी ईसा पूर्व से द्वितीय शताब्दी ईसा पूर्व तक की कला ६१-६७

प्रारंभिक परिचय - ६१-६२, मृण्मूर्तियाँ - ६२-६४, मृण्मय पशु आकृतियाँ - ६४-६५, आहत मुद्राओं पर अंकित कला - ६५-६६, सन्दर्भ - ६६-६७

अध्याय पंचम - लगभग द्वितीय शताब्दी ईसा पूर्व से प्रथम शताब्दी ईस्वी तक की कला ७०-८२

प्रारंभिक परिचय - ७०-७१, मृण्मूर्तियाँ मानवीय आकृतियाँ - ७१-७३, पशु आकृतियाँ - ७३-७४, मण्डलक - ७६, पाषाण प्रतिमाएँ - शालभंजिका - ७७-७८, मुद्राओं पर अंकित कला - ७८-८१, सन्दर्भ - ८१-८२

अध्याय षष्ठ - लगभग द्वितीय शताब्दी ईस्वी से छठी शताब्दी ईस्वी तक की कला ८५-१७१

प्रारंभिक परिचय - ८५-८७, मूर्तिकला - ८७-९०, प्राचीनता -

९०-९५, एरण की मूर्तिकला - ९५-९७, विष्णु - ९७-१००, महाविष्णु - १००-१०२, शेषशायी विष्णु - १०२-१०३, गरुड़ासीन विष्णु - १०३-१०४, अवतार प्रतिमाएँ - वराह - १०४-१०५, पशुवराह - १०५-१०७, नृवराह - १०७-१०९, नृसिंह - १०९-११०, वामन-त्रिविक्रम - ११०-१११, कृष्ण - ११२-११४, बलराम - ११४-११६, शिव - ११६-११८, गणेश - ११८-१२०, सूर्य - १२०-१२१, ब्रह्मा - १२१-१२२, देवी प्रतिमाएँ - गजलक्ष्मी - १२३-१२४, भू-देवी - १२४-१२७, महिषमर्दिनी - १२७-१२८, गंगा - यमुना - १२८-१३०, मातृदेवी की मृण्मूर्तियाँ - १३०-१३२, गौणदेव प्रतिमाएँ १३२-१३३, गरुड़ - १३३-१३५, नाग - १३५-१३९, बालखिल्य ऋषिगण - १९-१४०, विद्याधर - १४०, किन्नर - १४१, मानव प्रतिमाएँ - १४१-१४३, मृण्मय पुरुष आकृतियाँ - १४३-१४५, पशुपक्षी - पाषाण एवं मृण्मूर्तियाँ - १४५-१५२, लता - पत्र और अन्य मंगल प्रतीक - १५२-१५५, मुद्राओं में अंकित कला पक्ष - १५५-१५७, सन्दर्भ - १५७-१७२

अध्याय सप्तम - **परवर्ती गुप्तकालीन कला** १७५-१९३

प्रारंभिक परिचय - १७५-१७६, वैष्णव प्रतिमाएँ - शेषशायी विष्णु - १७६-१७७, चर्तुभुजी नृवराह - १७७-१७९, शैव प्रतिमाएँ - भैरव -१७९-१८०, गाणपत्य प्रतिमाएँ - गणेश - १८०, गौणदेव प्रतिमाएँ - हनुमान - १८०, कुबेर - १८१-१८२, यमुना - १८२, स्खलितवसना - १८३-१८४, मानवीय प्रतिमाएँ - १८४, मृण्मय मानवीय आकृतियाँ - १८६-१८६, पशु आकृतियाँ - ईहामृग - १८६-१८८, मृण्मय पशु आकृतियाँ - १८८-१९१, मुद्राओं में अंकित कला पक्ष - १९१-१९२, सन्दर्भ - १९२-१९३

अध्याय अष्टम - **निष्कर्ष** १९६-२०५

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची - २०८-२१९

चित्रफलक सूची - २२०-२२१

मानचित्र I - XXI

चित्रफलक - I - III

रेखाचित्र फलक -

शुद्धि पत्र

अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द	पृष्ठ	पँक्ति
का	इसका	२०	३
ताम्रमुद्राओं	ताम्रमुद्राओं	२१	११
ग	गयी	२३	१५
काल	कला	३०	१५
आकृति यों	आकृतियाँ	३८	०१
पूर्णाका	पूर्णपका	४१	२१
मुँह	मुँह	४३	२४
बी. एल.	बी. एस.	५७	१८
बी. एल.	बी. एस.	५८	१५
होनें	होने	६४	०२
इसको	यह	६५	०४
और	ओर	६५	१२
मुद्रालेंख	मुद्रालेख	७०	०७
जिसको	जिनको	७३	०४
का	की	७६	१०
मोटा है	मोटे हैं	७९	१४
है।	हैं।	७९	१५
है।	हैं।	७९	२२
है	हैं	८५	२४
करता	कराता	८९	०६
सूत्रसाहिन्य	सूत्रसाहित्य	९८	०४
सामान्य	सामान्य	९९	२६
कों	को	१००	११
कनिंघम	कनिंघम	१००	१५
कनिंशम	कनिंघम	१०५	२२
कनिंघम	कनिंघम	१०७	१८
रूप	रूपा	१०८	०६
दोनो	दोनों	१०८	०९
प्रंतिमा	प्रतिमा	१०९	२६
कृष्णसम्प्रदाय को रूप से प्रभावी दर्शाने	कृष्ण सम्प्रदाय को प्रभावी रूप से दर्शाने	११२	१२-१३
पर्यंक	पर्यंक	११५	१३
शासनकाल का एरण	शासनकाल का	११७	०३
शासन काल	शासन काल का एरण का	११७	०४
अलंकृत्	अलंकृत	११८	२३
'एलिमेन्ट्स ऑफ आइकोनोग्राफी'	'एलिमेन्ट्स ऑफ हिन्दु आइकोनोग्राफी'	११९	११-१२
स्तुति	स्तुति	१२०	१२
बौध गया	बौधगया	१२३	०९
है।	हैं।	१२३	१३
श्रीसुक्त	श्रीसुक्त	१२३	१५
की	को	१२३	१६

गुप्तकाल मे चित्रित	गुप्तकाल में	१२४	०५
द्विभुजी	द्विभुजी	१२४	११
है।	है।	१२४	११
गुप्तकालीन	गुप्तकालीन	१२८	१५
देखने	देखने	१३२	०२
के	को	१३५	०१
मुनीमकारेत	मुनीमन्दिरेत	१३९	२२
अंगुष्ठपर्वगा ग्रणा	अंगुष्ठपर्वगा ग्राणा	१३९	२३
दिया	किया	१४०	०३
पाश्वों	पार्श्वों	१४२	११
चक्क	चषक	१४२	१९
माला	भाला	१४३	०४
एव आँखे	एवं आँखों	१४३	२१
चक्कार	चक्राकार	१४३	२३
है।	है।	१४४	०६
द्वारमून	द्वारमूल के	१४५	२१
उत्पाकित	उत्पांकित	१४५	२१
में	इसमें	१४६	०७
माना गया	माना	१५०	११
ताम्रुद्राओं	ताम्रमुद्राओं	१५६	१९
अष्टाधायी	अष्टाध्यायी	१५९	०७
वत्स, एप. एस.	वत्स, एम. एस.	१६४	२०
रूपमण्डल	रूपमण्डन	१६६	०३
पुर्वकारणागम	पूर्वकारणागम	१६७	२६
श्रीमद्भागवद	श्रीमद्भागवत	१६९	२१
ज. न्यू. सॉ. ई.	ज. न्यू. सो. इ.	१७२	०५
ही	भी	१७५	०९
विश्वासी, तिरोत्तमा	विरंवासी, तिलोत्तमा	१८३	०८
का	को	१८६	१३
'वराकल'	'वरालक'	१८६	१६
सघड	सुघड	१८८	१४
सुघड	सुघड	१९०	२२
मुदाएँ	मुद्राएँ	१९१	१३
बाल्मिकी	वाल्मीकि	१९२	२४
मृण्मुर्तियाँ	मृण्मूर्तियाँ	२०२	०७
सडौल	सुडौल	२०४	०५
ब्रश	ब्रश.	२०४	१३
पुडातत्त्व	पुरातत्व	२१२	०१
अजयमित्र	अजयमित्र	२१५	०१
नीलकण्ड	नीलकण्ठ	२१५	०२
इण्डिका	इण्डिका.	२१५	०६

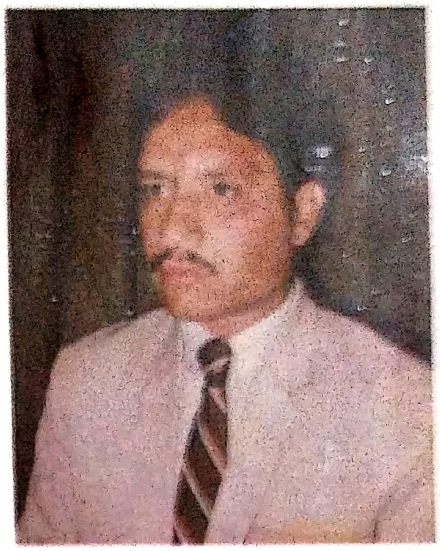

नाम : डॉ. नागेश दुबे
पिता : स्व. श्री. एन. पी. दुबे
माता : श्रीमती कुसुमलता दुबे
पत्नी : श्रीमति वन्दना दुबे
जन्म : १३ फरवरी, १९६२
जन्म स्थान : ग्राम - कपुर्दा, जिला - छिन्दवाड़ा (म. प्र.)
शिक्षा : एम. कॉम., एल. एल. बी., एम. ए. (प्राचीन भारतीय इतिहास), एम. ए. (आधुनिक इतिहास)
विशेष :- समसामयिक लेखन., म. प्र. इतिहास परिषद के सेमिनारों में शोध-पत्रों का वाचन, विभिन्न शोध पत्रिकाओं में शोध-पत्रों का प्रकाशन,
शिक्षण कार्य : कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, खुरई में स्नातक स्तरीय शिक्षण, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्त्व विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर, में स्नातकोत्तर स्तरीय शिक्षण
सम्प्रति : डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में [redacted] शिक्षक

संपर्क : डॉ. नागेश दुबे
५, लाजपतपुरा, सागर म.प्र. ४७०००२
फोन नं. - २८६५३

सुप्रिया पब्लिकेशन्स
गर्ल्स डिग्री कालेज रोड,
कृष्णगंज सागर